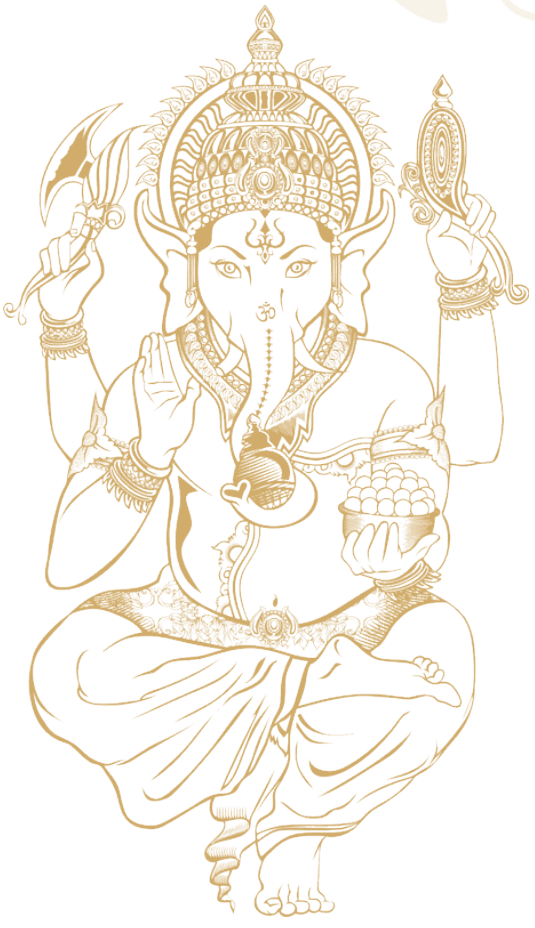

SHUBHAM

Ms.rashmi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120721001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120721001 Date: 27/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/06/1995	जन्म तिथि	19/01/1997
गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 23:58:00	जन्म समय	16:32:00 घंटे
घटी 47:09:44	जन्म समय(घटी)	24:43:30 घटी
India	देश	India
Daltonganj Airport	स्थान	Daltonganj
24:01:12 उत्तर	अक्षांश	24:02:00 उत्तर
84:05:55 पूर्व	रेखांश	84:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:06:24	स्थानिक संस्कार	00:06:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:06:06	सूर्योदय	06:38:45
18:36:46	सूर्यास्त	17:30:24
23:47:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:59

कुम्भ	लग्न	मिथुन
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मिथुन	राशि	वृष
बुध	राशि-स्वामी	शुक्र
पुनर्वसु	नक्षत्र	रोहिणी
गुरु	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
2	चरण	3
गण्ड	योग	ब्रह्म
वणिज	करण	बव
को-कोमल	जन्म नामाक्षर	वी-वीणा
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पाद
मार्जार	योनि	सर्प
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 11वर्ष 5मा 14दि		10:46:58	कुंभ	लग्न	मिथु	23:41:47	चन्द्र 3वर्ष 3मा 29दि	
बुध		17:00:15	वृष	सूर्य	मक	05:36:14	गुरु	
15/11/2025		23:47:08	मिथु	चंद्र	वृष	18:53:33	20/05/2025	
15/11/2042		09:29:40	सिंह	मंगल	कन्या	10:20:33	20/05/2041	
बुध	13/04/2028	22:11:45	वृष व	बुध	धनु	11:45:51	गुरु	08/07/2027
केतु	10/04/2029	16:40:57	वृश्चि व	गुरु	मक	05:40:19	शनि	18/01/2030
शुक्र	09/02/2032	25:22:24	मेष	शुक्र	धनु	17:44:30	बुध	25/04/2032
सूर्य	15/12/2032	29:58:33	कुंभ	शनि	मीन	08:42:30	केतु	01/04/2033
चन्द्र	17/05/2034	11:15:46	तुला व	राहु व	कन्या	07:09:41	शुक्र	01/12/2035
मंगल	14/05/2035	11:15:46	मेष व	केतु व	मीन	07:09:41	सूर्य	18/09/2036
राहु	30/11/2037	06:22:40	मक व	हर्ष	मक	10:30:37	चन्द्र	18/01/2038
गुरु	07/03/2040	01:26:31	मक व	नेप	मक	03:42:23	मंगल	25/12/2038
शनि	15/11/2042	05:06:07	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:07:37	राहु	20/05/2041

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:44 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:59

लग्न-चलित

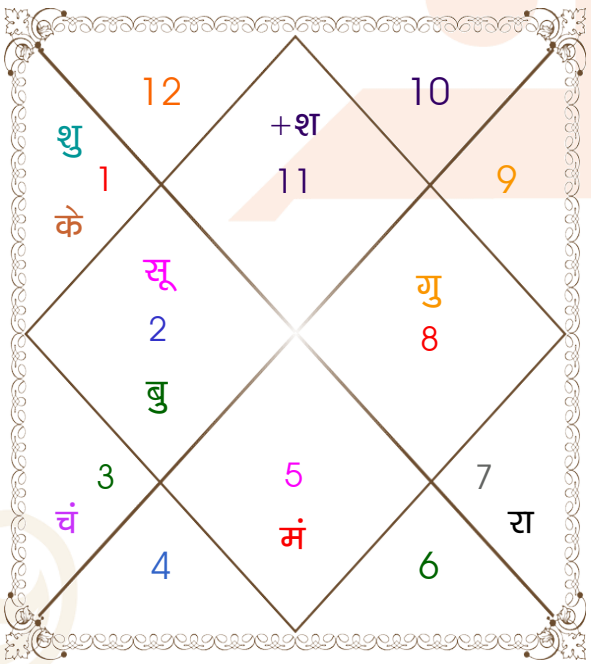

लग्न-चलित

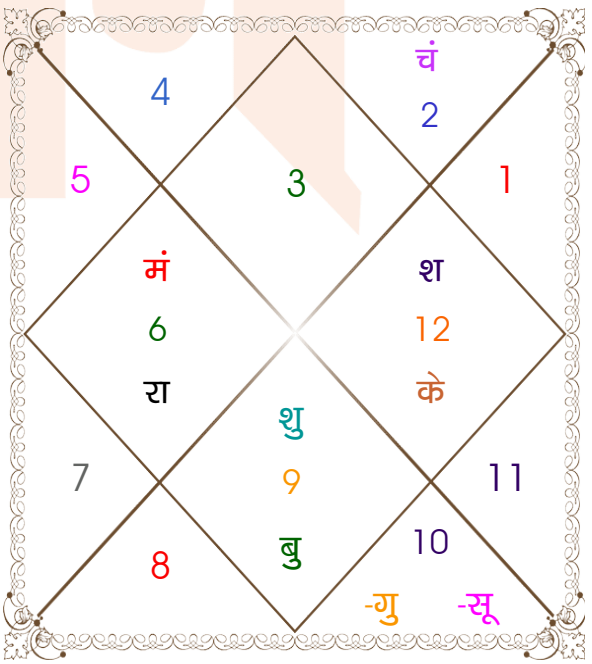

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A College daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call 6201143328, what's aap 7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : **22.5 / 36**

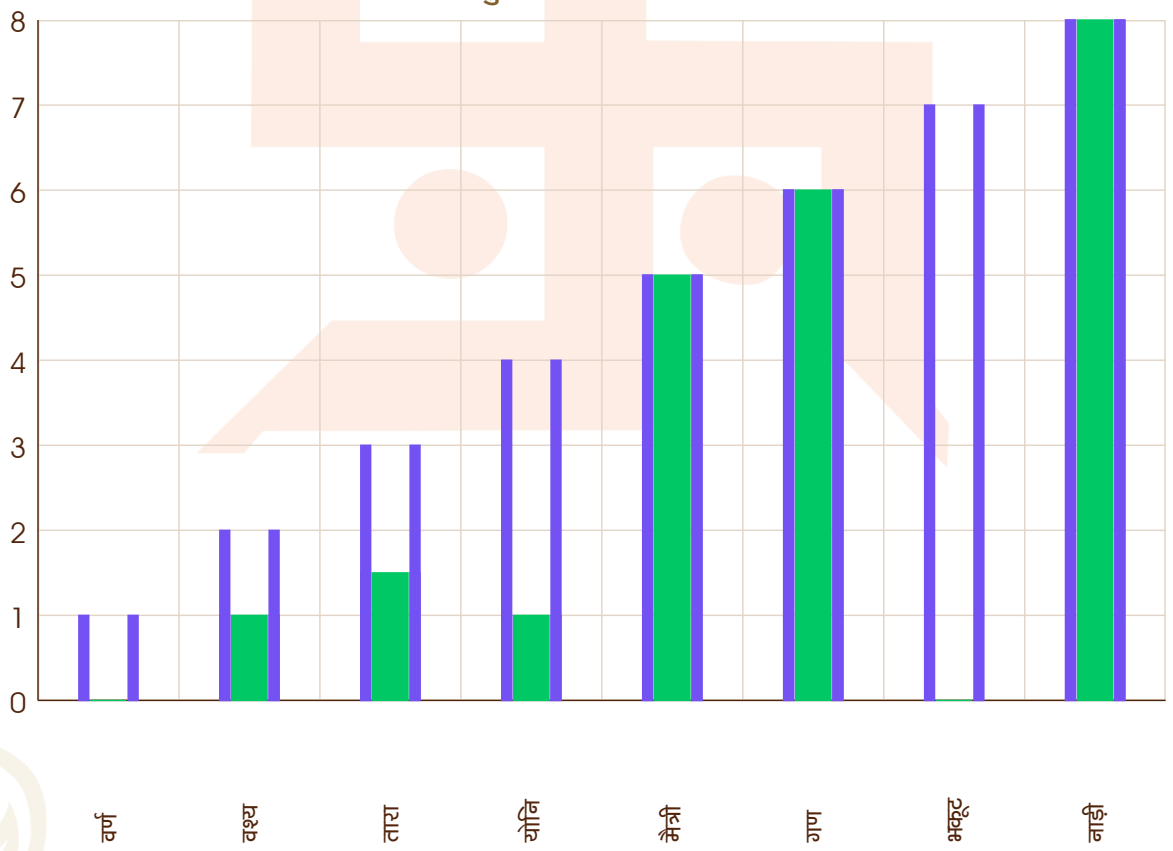

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A College daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call 6201143328, what's aap 7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

SHUBHAM का वर्ग मार्जार है तथा Ms.rashmi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार SHUBHAM और Ms.rashmi का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

SHUBHAM मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Ms.rashmi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.rashmi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

SHUBHAM तथा Ms.rashmi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

SHUBHAM का वर्ण शूद्र है तथा Ms.rashmi का वर्ण वैश्य है। क्योंकि Ms.rashmi का वर्ण SHUBHAM के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms.rashmi अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह Ms.rashmi अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

SHUBHAM का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.rashmi का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप SHUBHAM एवं Ms.rashmi दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Ms.rashmi अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में SHUBHAM अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

SHUBHAM की तारा क्षेम तथा Ms.rashmi की तारा वध है। Ms.rashmi की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह SHUBHAM एवं Ms.rashmi दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Ms.rashmi अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

SHUBHAM की योनि मार्जार है तथा Ms.rashmi की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि

होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में SHUBHAM एवं Ms.rashmi दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि SHUBHAM एवं Ms.rashmi के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण SHUBHAM एवं Ms.rashmi जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

SHUBHAM का गण देव तथा Ms.rashmi का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms.rashmi अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

SHUBHAM से Ms.rashmi की राशि द्वादश भाव में स्थित है Ms.rashmi से SHUBHAM की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में SHUBHAM परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Ms.rashmi का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Ms.rashmi की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Ms.rashmi तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

SHUBHAM की नाड़ी आद्य है तथा Ms.rashmi की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता

है। SHUBHAM की आद्य नाड़ी तथा Ms.rashmi की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

SHUBHAM की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन तथा Ms.rashmi की राशि भूमितत्व युक्त वृष राशि है। वायु एवं पृथ्वी तत्व में नैसर्गिक शत्रुता एवं असमानता का भाव विद्य मान रहता है अतः SHUBHAM और Ms.rashmi के मध्य स्वभावगत असमानताओं के कारण संबधों में मधुरता की अपेक्षा तनाव रहेगा परन्तु परस्पर सामंजस्य से अनुकूल वातावरण बनाने में दोनों समर्थ रहेंगे।

SHUBHAM का राशी स्वामी बुध तथा Ms.rashmi का राशि स्वामी शुक्र परस्पर मित्र हैं। अतः इसके प्रभाव से SHUBHAM और Ms.rashmi में स्वभावगत असमानताएं होते हुए भी एक दूसरे के प्रति प्रेम एवं स्नेह का भाव रखेंगे तथा दो सच्चे मित्रों की तरह एक दूसरे के दोषों की उपेक्षा करते हुए पूर्ण सहयोग का भाव रखेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख एवं शांति में भाव में वृद्धि होगी।

SHUBHAM और Ms.rashmi की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से मानसिक स्तर पर विभिन्नता के कारण संबधों में तनाव का भाव उत्पन्न हो सकता है। SHUBHAM की प्रवृति परिवर्तनशील होगी जबकि Ms.rashmi इसे पसंद नहीं करती। साथ ही Ms.rashmi शांति प्रिय तथा आदर्श गृहिणी होंगी जबकि SHUBHAM अपने कार्य कलापों को करने में तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Ms.rashmi की इच्छा के प्रतिकूल SHUBHAM की क्रियाओं से परस्पर संबधों की मधुरता में न्यूनता रहेगी।

SHUBHAM का वश्य मानव तथा Ms.rashmi का वश्य चतुष्पद है। मानव एवं चतुष्पद में नैसर्गिक विषमता एवं शुभता का भाव रहता है। अतः SHUBHAM और Ms.rashmi की अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता होगी फलतः दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में अल्प मात्रा में ही सफल होंगे जिससे जीवन विशेष सुखमय नहीं रहेगा।

SHUBHAM का शूद्र वर्ण होने के कारण वह एक गंभीर एवं कर्तव्य परायण कार्य कर्ता होंगे तथा अपने इन गुणों से कार्य करने में तत्पर रहेंगे। Ms.rashmi का वर्ण वैश्य है अतः धनार्जन तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्य करने में उनकी रूचि रहेगी तथा आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगी।

धन

SHUBHAM और Ms.rashmi दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। SHUBHAM और Ms.rashmi दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से SHUBHAM की प्रवृति व्ययशील होगी। वह जुआ सट्टा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापि SHUBHAM को ऐसी प्रवृतियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

SHUBHAM आद्य तथा Ms.rashmi अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई हैं। अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे परन्तु मंगल के प्रभाव से दोनों को समय समय पर शारीरिक कष्ट की प्राप्ति होती रहेगी। इससे दोनों गुप्त रोग या धातु संबंधी रोगों से परेशान रहेंगे तथा हृदय संबधी कोई कष्ट भी हो सकता है। SHUBHAM की रतिक्रिया में शिथिलता रहेगी जबकि Ms.rashmi की संभोग के प्रति उनके मन में उदासीनता का भाव रहेगा फलतः दोनों का दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं होगा। अतः इस प्रभाव की न्यूनता के लिए SHUBHAM और Ms.rashmi को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से SHUBHAM और Ms.rashmi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त SHUBHAM और Ms.rashmi के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.rashmi के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.rashmi को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.rashmi को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से SHUBHAM और Ms.rashmi सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार SHUBHAM और Ms.rashmi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.rashmi के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms.rashmi के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं

रहेंगे।

Ms.rashmi अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms.rashmi के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

SHUBHAM की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर SHUBHAM सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन SHUBHAM ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का SHUBHAM के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।